अल्बर्ट बंडूरा का सामाजिक अधिगम सिद्धान्त —

प्रतिपादक — अल्बर्ट बंडूरा
निवासी — कनाडा
जन्म — 4 सितम्बर 1925
सिद्धान्त दिया — 1977

बंडूरा द्वारा किये गये प्रयोग — बॉबी डॉल जीवित जोकर फिल्म

सामाजिक अधिगम का अर्थ — दूसरे को देखकर उनके अनुरूप व्यवहार करने के कारण और दूसरे के व्यवहार को अपने जीवन में उतारने तथा समाज द्वारा स्वीकृत व्यवहारों को धारण करने तथा अमान्य व्यवहारों को त्यागने का कारण ही सामाजिक अधिगम है इस सिद्धान्त में अनुकरण द्वारा सीखा जा सकता है।

बंडूरा ने अपने सिद्धान्त में चार पद बताये ⟹

1- अवधान — निरीक्षण कर्ता का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए मोडल मार्कर्क लोकप्रिय व रोचक व सफल होना चाहिए।

Date: / /
Page No:

2- धारण —
व्यक्ति व्यवहारों को अपने मस्तिष्क में प्रतिमानों के रूप में व शाब्दिक वर्णन के रूप में ग्रहण कर लेता है।

3- पुनः प्रस्तुतीकरण —
जिसको हम ध्यान से देखकर धारण करते हैं। और धारण करने के बाद में उसे पुनः प्रस्तुतीकरण करेंगे।

4- पुनर्बलन —
जहाँ सकारात्मक पुनर्बलन मिलने पर हम उस कार्य को दुबारा करेंगे और नकारात्मक पुनर्बलन मिलने पर हम उस ~~कार्य~~ व्यवहार को दुबारा नही करेंगे।
बंडूरा द्वारा बताये गये सामाजिक अधिगम सिद्धान्त में व्यक्ति अपने आप को निम्न क्रियाओं द्वारा सन्तुलित रखता है।